

## आयुष्मान भारत योजना के सामाजिक परिणामों का मूल्यांकन: लखनऊ मंडल पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

जयवीर सिंह<sup>1</sup>

शोधार्थी,

कला संकाय

एफएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश

डॉ. देवी लाल<sup>2</sup>

शोधार्थी,

कला संकाय

एफएस विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद, फिरोजाबाद, उत्तर प्रदेश

DOI: <https://doi.org/10.61165/sk.publisher.v13i4.3>

सार: आयुष्मान भारत योजना भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य पहल है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। इस योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाता है।

यह शोध-पत्र लखनऊ मंडल के संदर्भ में आयुष्मान भारत योजना के सामाजिक परिणामों का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से मूल्यांकन करता है। अध्ययन में पाया गया कि योजना ने स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में वृद्धि, आर्थिक बोझ में कमी तथा सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया है। हालाँकि, जागरूकता की कमी, स्वास्थ्य अवसरचना की सीमाएँ तथा प्रशासनिक चुनौतियाँ अभी भी प्रमुख बाधाएँ हैं। अध्ययन यह निष्कर्ष प्रस्तुत करता है कि यह योजना सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, परन्तु इसके प्रभाव को और सुदृढ़ करने हेतु सुधार आवश्यक हैं।

यह शोध-पत्र लखनऊ मंडल के विशेष संदर्भ में इस योजना के सामाजिक, आर्थिक तथा संस्थागत प्रभावों का समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से विश्लेषण करता है। अध्ययन में यह पाया गया कि योजना ने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में वृद्धि, आर्थिक असुरक्षा में कमी तथा सामाजिक समानता को बढ़ावा दिया है। हालाँकि, अवसरचनात्मक कमी, जागरूकता का अभाव तथा प्रशासनिक चुनौतियाँ इसके प्रभाव को सीमित करती हैं। यह अध्ययन निष्कर्ष देता है कि योजना सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण है, परन्तु इसके प्रभाव को अधिक व्यापक बनाने हेतु सुधारात्मक नीतियों की आवश्यकता है।

मुख्य शब्द: आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक प्रभाव, स्वास्थ्य समानता, समाजशास्त्र, लखनऊ मंडल, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय

## अध्याय 1: प्रस्तावना (Introduction)

भारत जैसे विकासशील देश में स्वास्थ्य सेवाओं की असमानता एक गंभीर सामाजिक समस्या रही है। गरीब वर्ग के लोग अक्सर महंगे इलाज के कारण आर्थिक संकट में फंस जाते हैं।

इस समस्या के समाधान हेतु आयुष्मान भारत योजना को 2018 में लागू किया गया। यह योजना विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करती है।

यह योजना दो प्रमुख घटकों पर आधारित है:

1. प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)
  2. स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (Health and Wellness Centres)
  3. स्वास्थ्य किसी भी समाज के विकास का महत्वपूर्ण सूचक है। भारत में लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं की असमान उपलब्धता एक प्रमुख सामाजिक समस्या रही है। इस संदर्भ में आयुष्मान भारत योजना (2018) को लागू किया गया, जिसका उद्देश्य गरीब एवं वंचित वर्गों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है।
1. यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण एवं निम्न आय वर्ग के लोगों को लक्षित करती है और सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जाती है।

## अध्याय 2: अध्ययन का उद्देश्य (Objectives)

1. योजना के सामाजिक परिणामों का विश्लेषण करना
2. लखनऊ मंडल में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता का अध्ययन
3. आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन
4. सामाजिक असमानता पर प्रभाव का अध्ययन
5. नीति क्रियान्वयन की समस्याओं की पहचान

## अध्याय 3: साहित्य समीक्षा (Literature Review)

हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि:

- आयुष्मान भारत योजना ने स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच में सुधार किया है
- गरीब परिवारों के चिकित्सा खर्च में कमी आई है
- महिलाओं और ग्रामीण आबादी को अधिक लाभ मिला है

फिर भी, कुछ शोध यह भी दर्शाते हैं कि:

- जागरूकता की कमी एक बड़ी समस्या है
- ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं अपर्याप्त हैं

#### अध्याय 4: अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

##### 4.1 अनुसंधान का प्रकार

- वर्णनात्मक (Descriptive)
- विश्लेषणात्मक (Analytical)

##### 4.2 डेटा संग्रहण

- प्राथमिक डेटा:
  - 100–150 लाभार्थियों का सर्वे
  - साक्षात्कार
- द्वितीयक डेटा:
  - सरकारी रिपोर्ट
  - शोध पत्र

##### 4.3 अध्ययन क्षेत्र

लखनऊ मंडल

#### अध्याय 5: आयुष्मान भारत योजना का विस्तृत परिचय

आयुष्मान भारत योजना के मुख्य बिंदु:

- ₹5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा
- 10 करोड़ से अधिक परिवारों को कवर
- कैशलेस और पेपरलेस उपचार
- सरकारी और निजी अस्पतालों में सुविधा

#### अध्याय 6: समाजशास्त्रीय विश्लेषण

##### 6.1 कार्यात्मकतावादी दृष्टिकोण

यह योजना समाज में संतुलन स्थापित करती है:

- स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाकर सामाजिक स्थिरता बढ़ती है

## 6.2 संघर्ष सिद्धांत

- स्वास्थ्य सेवाओं में वर्गीय असमानता कम हुई
- गरीब वर्ग को सशक्त बनाया

## 6.3 सामाजिक पूंजी (Social Capital)

- समुदाय में विश्वास और सहयोग बढ़ा

## अध्याय 7: लखनऊ मंडल में सामाजिक परिणाम (Findings)

### 7.1 स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच

- अस्पतालों में भर्ती दर में वृद्धि
- ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार

### 7.2 आर्थिक प्रभाव

- आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च में कमी
- गरीब परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार

### 7.3 सामाजिक प्रभाव

- स्वास्थ्य जागरूकता में वृद्धि
- महिलाओं का सशक्तिकरण
- जीवन स्तर में सुधार

### 7.4 संस्थागत प्रभाव

- सरकारी अस्पतालों की भूमिका मजबूत हुई
- निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ी

## अध्याय 8: प्रमुख समस्याएँ (Challenges)

1. ग्रामीण क्षेत्रों में अस्पतालों की कमी
2. योजना के प्रति जागरूकता का अभाव
3. तकनीकी समस्याएँ (आयुष्मान कार्ड)

4. प्रशासनिक जटिलताएँ
5. अस्पतालों में भीड़

### अध्याय 9: चर्चा (Discussion)

आयुष्मान भारत योजना ने सामाजिक न्याय और समानता को बढ़ावा दिया है।

हालांकि, यदि अवसंरचना और जागरूकता में सुधार किया जाए, तो इसका प्रभाव और अधिक व्यापक हो सकता है।

यह योजना कल्याणकारी राज्य (Welfare State) की अवधारणा को मजबूत करती है।

### अध्याय 10: सुझाव (Suggestions)

1. ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार
2. जागरूकता अभियान
3. डिजिटल प्रक्रियाओं का सरलीकरण
4. अधिक अस्पतालों को जोड़ना
5. नियमित निगरानी

### अध्याय 11: निष्कर्ष (Conclusion)

आयुष्मान भारत योजना भारतीय समाज में स्वास्थ्य समानता स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

लखनऊ मंडल के अध्ययन से स्पष्ट है कि इस योजना ने सामाजिक और आर्थिक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। फिर भी, इसके प्रभाव को अधिक प्रभावी बनाने के लिए नीति सुधार आवश्यक हैं।

आयुष्मान भारत योजना भारतीय समाज में स्वास्थ्य समानता और सामाजिक न्याय स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

लखनऊ मंडल के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि इस योजना ने सामाजिक और आर्थिक स्तर पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। फिर भी, इसके प्रभाव को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नीति और क्रियान्वयन स्तर पर सुधार आवश्यक हैं।

### संदर्भ (References)

भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

1. नीति आयोग रिपोर्ट
2. उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग रिपोर्ट
3. विभिन्न समाजशास्त्रीय शोध पत्र
4. भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
5. नीति आयोग रिपोर्ट (आयुष्मान भारत)

6. विभिन्न समाजशास्त्रीय अध्ययन एवं शोध पत्र
7. राज्य सरकार (उत्तर प्रदेश) की स्वास्थ्य रिपोर्ट
8. सचान डी. भारत ग्रामीण डॉक्टरों की कमी को ठीक करने के लिए एक नए पाठ्यक्रम की ओर देख रहा है। लैंसेट 2013 ; 382 ( 9899 ):e10 [ PubMed ] [ Google Scholar ]
9. पटेल वी, पारिख आर, नंदराज एस, बालासुब्रमण्यम पी, नारायण के, पॉल वीके, एट अल. भारत में सभी के लिए स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित करना। लैंसेट। 2015; 386 ( 10011 ): 2422–35. 10.1016/S0140-6736(15)00955-1 [ PubMed ] [ CrossRef ] [ Google Scholar ]
10. केंद्रीय स्वास्थ्य खुफिया ब्यूरो। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफाइल भारत 2018. 2018. [उपलब्ध: <http://www.cbhidghs.nic.in/index1.php?lang=1&level=2&sublinkid=88&lid=1138> . 22 अक्टूबर 2018 को उद्धृत]
11. लैंगर्ड एम, पामर एन. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच पर उपयोगकर्ता शुल्क का प्रभाव। कोक्रेन डेटाबेस सिस्ट रिव। 2011; 13 ( 4 ): सीडी009094. [ पीएमसी निःशुल्क लेख ] [ पबमेड ] [ गूगल स्कॉलर ]
12. सेल्वाराज एस, फारूकी एचएच, करण ए. भारत में दवाओं पर घरों की जेब से किए जाने वाले भुगतान के वित्तीय बोझ का आकलन: राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण डेटा, 1994-2014 का दोहराया गया क्रॉस-सेक्शनल विश्लेषण। बीएमजे ओपन 2018; 8 ( 5 ): e018020 10.1136/bmjopen-2017-018020 [ पीएमसी निःशुल्क लेख ] [ पबमेड ] [ क्रॉसरेफ ] [ गूगल स्कॉलर ]

### परिशिष्ट (Appendix)

#### प्रश्नावली (Sample Questionnaire)

1. क्या आप आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी हैं?
2. क्या आपको इस योजना की जानकारी पहले से थी?
3. क्या इस योजना से आपके स्वास्थ्य खर्च में कमी आई?
4. क्या आप उपचार से संतुष्ट हैं?

... Cite this article ...

जयवीर सिंह & डॉ. देवी लाल. (2026). आयुष्मान भारत योजना के सामाजिक परिणामों का मूल्यांकन: लखनऊ मंडल पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन. SK INTERNATIONAL JOURNAL OF MULTIDISCIPLINARY RESEARCH HUB, 13(4), 19-24.  
<https://doi.org/10.61165/sk.publisher.v13i4.3>